

पाठ 63

1. चेलों ने अपने बच्चों को यीशु के पास लाने के लिए लोगों को क्यों डांटा?

-शिष्यों ने सोचा कि यीशु बच्चों से परेशान नहीं होना चाहते।

2. क्या यीशु सभी बच्चों से प्यार करता है?

-हां।

3. क्या बच्चों को भी पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाए जाने की आवश्यकता है?

-हां।

4. यीशु का क्या मतलब था कि जो कोई छोटे बच्चे की तरह परमेश्वर का राज्य प्राप्त नहीं करेगा, वह कभी उसमें प्रवेश नहीं करेगा?

-यीशु का मतलब था कि अगर हम एक बच्चे के विश्वास के साथ परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते हैं, तो हम कभी भी नहीं बचेंगे।

5. बच्चे का विश्वास कैसा होता है?

-एक बच्चे का विश्वास पूरी तरह से होता है।

-एक बच्चे का विश्वास उसके पूरे दिल के साथ होता है।

6. अमीर युवक ने यीशु से क्या प्रश्न पूछा था?

-“अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?”

7. यीशु ने क्या उत्तर दिया?

-“तुम मुझे अच्छा क्यों कहते हो?” “कोई भी अच्छा नहीं है - केवल परमेश्वर को छोड़कर।”

8. क्या यीशु इनकार कर रहा था कि वह अच्छा था?

-नहीं।

9. क्या यीशु इस बात से इंकार कर रहा था कि वह परमेश्वर है?

-नहीं।

10. फिर यीशु ने जो कहा वह क्यों कहा?

-यीशु चाहते थे कि धनवान युवक यह समझे कि क्योंकि लोग पाप में जन्म लेते हैं, वे अच्छे नहीं होते।

-यीशु भी चाहते थे कि धनवान युवक यह समझे कि क्योंकि केवल परमेश्वर ही पाप रहित है, केवल परमेश्वर ही भला है।

11. अमीर युवक ने कैसे सोचा कि वह अनन्त जीवन अर्जित करने में सक्षम है?

-अच्छे कार्य करने से।

12. अमीर युवक को क्या समझ नहीं आया?

- अमीर युवक को यह समझ में नहीं आया कि जो अच्छे काम हम बाहर करते हैं, वह हमारे बुरे दिलों को नहीं बदलते जो अंदर हैं।

13. अमीर युवक उदास क्यों चला गया?

-क्योंकि वह अपनी सारी बड़ी दौलत को देने को तैयार नहीं था।

-क्योंकि वह नहीं चाहता था कि यीशु अपने दुष्ट हृदय को बदल दे।

14. एकमात्र कौन है जो हमें हमारे बुरे दिलों से बचा सकता है?

-ईसा मसीह।

-क्योंकि यीशु सभी लोगों के दिलों को जानता है, उसने लोगों को लालच के बारे में सिखाया।

लूका 12:15 पढ़ें

15-तब यीशु ने उन से कहा, “सावधान रहो! सब प्रकार के लोभ से सावधान रहो; मनुष्य का जीवन उसकी सम्पत्ति की बहुतायत से नहीं होता।”

-लोग लालची क्यों होते हैं?

-क्योंकि वे पाप में पैदा हुए हैं।

-क्योंकि वे वही चाहते हैं जो उनके पास नहीं है।

-बहुत से लोग दुनिया में किसी और चीज से ज्यादा संपत्ति चाहते हैं।

-बहुत से लोग परमेश्वर से भी ज्यादा संपत्ति चाहते हैं।

-बहुत से लोग दूसरे लोगों की संपत्ति देखते हैं, और उन्हें अपने लिए चाहते हैं।

-बहुत से लोग सोचते हैं कि अगर उनके पास बहुत सारी संपत्ति होगी और वे अमीर होंगे तो वे खुश होंगे।

-अगर एक आदमी के पास दुनिया की सारी दौलत होती, तो क्या वह धन उसकी मदद करता अगर वह अनन्त आग की झील में जाता?

-नहीं।

-क्या हमारे जीवन में प्रचुर मात्रा में संपत्ति होनी चाहिए?

-नहीं।

-क्या संपत्ति हमें पाप, मृत्यु और शैतान से बचा सकती है?

-नहीं।

-लोगों को समझाने में मदद करने के लिए, यीशु ने उन्हें एक दृष्टान्त बताया।

आइए पढ़ें लूका 12:16-19

16-यीशु ने उन्हें यह दृष्टान्त सुनाया: "किसी धनवान की भूमि से अच्छी उपज हुई।

17-उसने मन ही मन सोचा, 'मैं क्या करूँ? मेरे पास अपनी फसल रखने के लिए कोई जगह नहीं है।'

18- "फिर उसने कहा, 'मैं यही करूँगा। मैं आपके खलिहानोंको ढा दूँगा, और बड़े बनवाऊँगा, और आपके सब अन्न और माल को वहीं रखूँगा।

19-और मैं अपने आप से कहूँगा, "तुम्हारे पास बहुत वर्षों से ढेर सारी अच्छी चीज़ें रखी हैं। जीवन को आसान बनाओ; खाओ पीयो और मगन रहो।""

-यीशु ने एक धनी किसान का दृष्टान्त सुनाया।

-एक साल, अमीर किसान की जमीन ने इतनी अच्छी फसल पैदा की कि उसके पास पूरी फसल को स्टोर करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी।

-फिर अमीर किसान ने क्या सोचा था कि वह करेगा?

-अमीर किसान ने सोचा कि वह बड़े खलिहान बना देगा, अपना सारा अनाज वहीं जमा कर देगा और फिर जीवन भर कुछ नहीं करेगा।

-क्योंकि अमीर किसान के पास बहुत धन था, उसने सोचा कि उसे कोई समस्या नहीं है।

-क्योंकि अमीर किसान के पास बहुत धन था, उसने सोचा कि उसके पास सब कुछ है।

-क्योंकि अमीर किसान के पास बहुत धन था, उसने सोचा कि वह परमेश्वर को भूल जाएगा, और अपने तरीके से जिएगा।

-हालांकि अमीर किसान परमेश्वर के बारे में भूल गया, क्या परमेश्वर उसके बारे में भूल गए?

-नहीं।

-फिर यीशु ने कहा कि अमीर किसान को क्या हुआ?

आइए पढ़ें लूका 12:20

20- “परन्तु परमेश्वर ने उस से कहा, हे मूर्ख! इसी रात तुमसे तुम्हारी जान की माँग की जाएगी। तब जो कुछ तू ने अपने लिये तैयार किया है, वह किसे मिलेगा?”

-अमीर किसान का क्या हुआ?

-परमेश्वर ने उसे मरने के लिए बुलाया।

-अमीर किसान की मृत्यु का दिन किसने तय किया?

-अकेले परमेश्वर।

-वह दिन कौन तय करता है जब सभी लोग मरेंगे?

-अकेले परमेश्वर।

-क्या हुआ अमीर किसान की बड़ी दौलत का?

-इसे किसी और के लिए छोड़ दिया गया था।

-परमेश्वर ने अमीर किसान को मूर्ख क्यों कहा?

-क्योंकि अमीर किसान ने सोचा कि वह परमेश्वर को भूल जाएगा, और अपने तरीके से जिएगा।

-क्या अमीर किसान की बड़ी दौलत ने उसे बचाया?

-नहीं।

-क्या अमीर किसान के पास सब कुछ था?

-नहीं।

-धनी किसान के पास भले ही बहुत धन हो, पर उसके पास क्या नहीं था?

-अनन्त जीवन।

-दृष्टांत सुनाने के बाद यीशु ने तब क्या कहा?

आइए पढ़ें लूका 12:21

21-यीशु ने कहा, “जो कोई अपने लिये कुछ बटोरता है, परन्तु परमेश्वर की दृष्टि में धनी नहीं है, उसके साथ ऐसा ही होगा।”

-यीशु ने कहा कि यदि हम अपने लिए बहुत कुछ जमा करते हैं, लेकिन परमेश्वर की दृष्टि में धनी नहीं हैं, तो हम अनन्त मृत्यु को प्राप्त करेंगे।

-महान धन से कहीं अधिक मूल्य का क्या है?

-ईश्वर में विश्वास करना और अनन्त जीवन पाना।

-फिर, यीशु ने एक कहानी सुनाई।

आइए पढ़ें लूका 16:19-21

19-“एक धनवान व्यक्ति था जो बैजनी और उत्तम मलमल के वस्त्र पहिने और प्रतिदिन विलास में रहता था।

20-उसके फाटक पर लाजर नाम का एक भिखारी रखा था, जो घावों से ढका हुआ था

21-और अमीर आदमी की मेज से गिरे हुए खाने की लालसा। कुत्तों ने भी आकर उसके घावों को चाटा।”

-हम कैसे जानते हैं कि अमीर आदमी और लाजर की कहानी एक सच्ची कहानी है?

-क्योंकि ये दोनों आदमी असल में धरती पर रहते थे।

-कहानी में दो आदमी कौन थे?

-एक अमीर आदमी था और एक गरीब आदमी था।

-गरीब आदमी का नाम क्या था?

-लाजर।

-यह वह लाजर नहीं था जिसे यीशु ने मरे हुएों में से जिलाया था।

-दो आदमियों में से कौन अधिक धन्य था?

-क्या अमीर आदमी अधिक धन्य था क्योंकि उसके पास अच्छे कपड़े और वह सारा खाना था जो वह खा सकता था?

-क्या लाजर जो बीमार था और जिसके पास कुछ भी नहीं था, अधिक धन्य था?

-शायद आप कहेंगे अमीर आदमी, लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है.

-सुनो यीशु ने इन दो आदमियों के साथ क्या कहा:

आइए पढ़ें लूका 16:22

22-“वह समय आया जब भिखारी मर गया और स्वर्गदूत उसे इब्राहीम के पास ले गए। धनवान भी मर गया और उसे दफनाया गया।”

-क्या हुआ जब बेचारा लाजर मर गया?

-स्वर्गदूतों ने उसे परमेश्वर और अब्राहम के साथ स्वर्ग में रहने के लिए ले लिया।

-अमीर आदमी का क्या हुआ?

-उनकी भी मौत हो गई।

-क्या अमीर आदमी की दौलत ने उसे मरने से रोका?

-नहीं।

-अमीर आदमी मरने के बाद कहाँ गया?

आइए पढ़ें लूका 16:23

23- "नरक में, जहां वह पीड़ा में था, उस धनवान ने आंख उठाकर इब्राहीम को दूर दूर देखा, और लाजर उसके पास था।"

-अमीर आदमी मरने के बाद कहाँ गया?

-नरक में, अग्नि और दंड का स्थान।

-मनुष्य जब मरता है तो उसकी आत्मा कहाँ जाती है?

-या तो सीधे स्वर्ग में परमेश्वर के साथ रहना या सीधे नरक में, आग और सजा का स्थान।

-जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो कुछ लोग कहते हैं कि उसकी आत्मा पृथ्वी पर भटकती है।

-यह शैतान का झूठ है।

-जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो कुछ लोग कहते हैं कि उसकी आत्मा पृथ्वी और स्वर्ग के बीच एक प्रतीक्षा स्थान में चली जाती है।

-यह भी शैतान का झूठ है।

-क्या धरती और स्वर्ग के बीच कोई प्रतीक्षालय है?

-नहीं।

-कुछ लोगों का कहना है कि उन्होंने किसी मृत पूर्वज की आवाज या किसी मरे हुए व्यक्ति का संदेश सुना है।

-यह भी शैतान का झूठ है।

-लोग जो आवाजें या संदेश सुनते हैं, वे केवल शैतान और उसके राक्षसों की ओर से हैं।

-जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो उसकी आत्मा या तो सीधे स्वर्ग में परमेश्वर के पास जाती है या सीधे नरक में।

-लाजर मर गया और उसकी आत्मा सीधे स्वर्ग में परमेश्वर के पास चली गई।

-अमीर आदमी मर गया और उसकी आत्मा सीधे नरक में चली गई, आग और सजा का स्थान।

-तब अमीर आदमी ने इब्राहीम से बात की।

आइए पढ़ें लूका 16:24

24-तब धनवान ने उस से कहा, हे पिता इब्राहीम, मुझ पर तरस खा, और लाजर को भेज दे, कि अपनी उंगली का सिरा जल में डुबाकर मेरी जीभ को ठण्डा करे, क्योंकि मैं इस आग में तड़प रहा हूँ।

-सबसे पहले, अमीर आदमी ने इब्राहीम से क्या पूछा?

-उसने इब्राहीम से कहा कि वह लाजर को भेजे और अपनी जीभ को ठंडा करने के लिए अपनी उंगली की नोक को पानी में डुबो दे।

-क्यों?

-क्योंकि अमीर आदमी आग में बहुत पीड़ित था।

-उन सभी के लिए जो ईश्वर में विश्वास करने से इनकार करते हैं, मरने पर वे कहाँ जाएंगे?

-नरक में, अग्नि और दंड का स्थान।

-परमेश्वर पाप से घृणा करते हैं, और सभी पापों को मृत्यु से दंडित करते हैं।

-अब्राहम ने क्या उत्तर दिया?

आइए पढ़ें लूका 16:25

25- “परन्तु इब्राहीम ने उत्तर दिया, ‘हे पुत्र, स्मरण रख कि तू ने अपने जीवन में अच्छी वस्तुएं पाईं, और लाजर ने बुरी वस्तुएं पाईं, परन्तु अब वह यहां शान्ति पाता है और तू तड़पता है।’”

-अब्राहम ने क्या उत्तर दिया?

-अब्राहम ने कहा कि जब अमीर आदमी धरती पर रहता था तो वह आराम से रहता था, लेकिन अब उसे भुगतना ही होगा।

-अब्राहम ने यह भी कहा कि लाजर जब धरती पर रहता था तो उसे कष्ट होता था, लेकिन अब वह सहज था।

-क्या लाजर गरीब होने के कारण स्वर्ग गया था?

-नहीं।

-लाजर स्वर्ग क्यों गया?

-क्योंकि लाजर ईश्वर में विश्वास करता था।

-लाजर जानता था कि वह पाप में पैदा हुआ है।

-लाजर जानता था कि परमेश्वर सभी पापों को मौत की सजा देता है।

-लाजर का मानना था कि परमेश्वर उसे बचाने के लिए उद्धारकर्ता को भेजेंगे।

-उन सभी के लिए जो ईश्वर में विश्वास करते हैं, मरने पर वे कहाँ जाएंगे?

-स्वर्ग में परमेश्वर के साथ रहना।

-क्या अमीर आदमी नर्क में गया क्योंकि वह अमीर था?

-नहीं।

-अमीर आदमी नरक में क्यों गया?

-क्योंकि अमीर आदमी ने परमेश्वर पर विश्वास करने से इनकार कर दिया।

-अमीर आदमी को विश्वास नहीं था कि वह पाप में पैदा हुआ था।

-अमीर ने यह नहीं माना कि परमेश्वर सभी पापों को मौत की सजा देते हैं।

-अमीर आदमी को विश्वास नहीं था कि उसे एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता है।

-अमीर आदमी केवल अपने महान धन के लिए रहता था।

-अब्राहम ने अमीर आदमी से और क्या कहा?

आइए पढ़ें लूका 16:26

26- “इब्राहीम ने कहा, ‘इस सब के सिवा हमारे और तुम्हारे बीच एक बड़ी खाई ठहरा दी गई है, कि जो यहां से तेरे पास जाना चाहें, वे न जा सकें, और न कोई वहां से पार होकर हमारे पास आ सके।’”

-अब्राहम ने कहा कि स्वर्ग और नर्क के बीच एक बड़ी खाई होने के कारण कोई भी पार नहीं कर सकता था।

-क्या सजा की जगह में प्रवेश करने वाला कोई भी व्यक्ति निकल पाएगा?

-नहीं।

-जब कोई व्यक्ति मर जाता है और सजा की जगह में प्रवेश करता है, तो बचने का कोई रास्ता नहीं है।

-जब कोई व्यक्ति मर जाता है और सजा की जगह में प्रवेश करता है, तो वह हमेशा और हमेशा के लिए होता है।

-यदि आप परमेश्वर के वचन को सुनने से इनकार करते हैं, तो आप सजा के स्थान पर जाएंगे।

-यदि आप परमेश्वर के वचन को सुनने से इनकार करते हैं, तो आप हमेशा और हमेशा के लिए सजा के स्थान पर होंगे।

-तब अमीर आदमी ने इब्राहीम से एक और सवाल पूछा।

आइए पढ़ें लूका 16:27-28

27-“धनवान ने उत्तर दिया, कि हे पिता, मैं तुझ से बिनती करता हूं, कि लाजर को मेरे पिता के घर भेज,

28-क्योंकि मेरे पाँच भाई हैं। वह उन्हें चेतावनी दे, ऐसा न हो कि वे भी इस तड़पने के स्थान पर आएँ।”

-दूसरा, अमीर आदमी ने इब्राहीम से क्या पूछा?

-अमीर चाहता था कि लाजर अपने भाइयों से बात करे ताकि आग और दण्ड के स्थान पर उन्हें कष्ट न उठाना पड़े।

-भले ही अमीर आदमी बहुत कष्ट झेल रहा था, फिर भी उसे अपने भाइयों की याद आई।

-नरक में, क्या अमीर आदमी ने खाना या कंबल मांगा?

-नहीं।

-नरक में क्या अमीर आदमी ने मुर्गियों या बकरियों का खून मांगा?

-नहीं।

-शैतान और उसके राक्षसों ने बहुत से लोगों को धोखा दिया है।

-बहुत से लोग सोचते हैं कि मरे हुए लोगों को खाना चाहिए या कंबल या मुर्गे या बकरियों का खून चाहिए।

-यह शैतान का झूठ है।

-अमीर चाहता था कि लाजर अपने भाइयों से बात करे ताकि आग और दण्ड के स्थान पर उन्हें कष्ट न उठाना पड़े।

-अब्राहम ने अमीर आदमी को क्या जवाब दिया?

आइए पढ़ें लूका 16:29

29- "अब्राहम ने उत्तर दिया, 'उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं; उन्हें उनकी बात सुनने दो।'"

-अब्राहम ने अमीर आदमी से कहा कि उसके भाइयों के पास मूसा और भविष्यद्वक्ता थे, और उन्हें मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की बात सुननी चाहिए।

-इब्राहीम का क्या मतलब था जब उसने कहा कि अमीर आदमी के भाइयों के पास मूसा और भविष्यद्वक्ता थे?

-अब्राहम का मतलब था कि अमीर आदमी के भाइयों के पास परमेश्वर का वचन था जो मूसा और भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से लिखा गया था।

-अब्राहम अमीर आदमी से क्या कह रहा था कि उसके भाइयों को क्या करना चाहिए?

-कि उन्हें परमेश्वर की बाइबल में परमेश्वर के वचन को पढ़ना और सुनना चाहिए।

-यदि हम परमेश्वर के वचन को सुनें और उस पर विश्वास करें, तो हमें दण्ड के स्थान पर नहीं जाना पड़ेगा।

-फिर अमीर आदमी ने क्या जवाब दिया?

आइए पढ़ें लूका 16:30

30- "नहीं, पिता इब्राहीम, 'उसने कहा, 'परन्तु यदि मरे हुआं में से कोई उनके पास जाए, तो वे मन फिराएंगे।'"

-अमीर आदमी ने कहा कि अगर मरे हुआं में से कोई अपने भाइयों को चेतावनी देने के लिए वापस आएगा, तो वे पछताएंगे।

-तब अब्राहम ने क्या उत्तर दिया?

आइए पढ़ें लूका 16:31

31- "इब्राहीम ने उस से कहा, 'यदि वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की न सुनें, तो यदि कोई मरे हुआं में से जी भी उठा तो उसकी प्रतीति नहीं होगी।'"

- इब्राहीम ने अमीर आदमी से क्या कहा?

-अब्राहम ने कहा कि यदि भाई परमेश्वर के वचन को नहीं सुनेंगे, तो यदि कोई मरे हुआं में से जी भी उठेगा, तब भी वे विश्वास नहीं करेंगे।

-यदि हम परमेश्वर के वचन को नहीं सुनेंगे और उस पर विश्वास नहीं करेंगे, तो क्या कुछ और है जो हमें बचा सकता है?

-नहीं।